ध्यान आकर्षित कर दिया, उसी तरह से मैं चाहता हूं कि इस बिहार में जो गोली चली है 5 तारीख को जिसमें जगदेश प्रसाद जी मारे गए हैं, उस पर भी ध्यान दें और सरकार को आदेश दें । श्री जगदेश प्रसाद को जानबूझ कर मारा गया है । वे वहां मंत्री रह चुके है, पिछड़े वर्ग के प्रतिनिधि है और वहां से एक एक्स-ताल्लुकेदार ने पुलिस के मिल कर उनके ऊपर गोली चलवा दी ।

MR. CHAIRMAN: Is that all? I will look into the matter. Please resume your seat.

REFERENCE TO ACUTE DROUGHT CONDITIONS IN VARIOUS STATES

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (उत्तरप्रदेश): सभापति जी, मैं जिस प्रश्न को उठाने जा रहा हूं, वह भी लगभग उसी से संबंधित है जो देश की सूखे की स्थिति के बारे में है। आज 7 राज्यों में भयंकर सूखा पड़ रहा है । उन 7 राज्यों के अतिरिक्त भी इस प्रकार के राज्य है, जिनमें सूखे की स्थिति हैं । मैं बिहार की चर्चा नहीं करना चाहता, जिसके बारे में अभी हमारे सहयोगी श्री राजनारायण ने आपके सामने कहा है कि किस तरह वहां शोषित दल के एक प्रमुख नेता और भूतपूर्व मंत्री जगदेव प्रसाद सिंह का देहावसान हुआ है, न ही मै उस चर्चा का विशेष उल्लेख करना चाहता हूं जो कटक जिले के अन्दर अन्न के अभाव में प्रदर्शन करने वाली जनता के ऊपर गोलियां चली हैं । राजस्थान की, जहां समस्या की भयंकरता है, उसकी चर्चा अभी हमारे मित्र...

SHRI PRAHMANANDA PANDA (Orissa): There was only firing in the air.

SHRI NIREN GHOSH (West Bengal): No. It was raised by me and Mr. Sitaram Singh yesttrday. Fifteen Congress MPs have issued a statement. It is not a small matter.

श्री रबी राय (उड़ीसा) : फाइरिंग हुई, लोग इन्जर्ड हुए ।

SHRI BRAHMANANDA PANDA: Because, the mob was unruly.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं यह समझता था कि श्री ब्रह्मानन्द पण्डा जो इस सदन के माननीय सदस्य है, मेरी इस बात से सहानुभूति प्रगट करेंगे कि मैंने उनके राज्य में जो गोली चली है उस घटना का थोड़ा सा उल्लेख किया और वहां जो अन्न के अभाव में स्थिति उत्पन्न होती जा रही हैं उनकी ओर इशारा किया, लेकिन न जाने उन्होंने क्यों मेरी बात में व्यवधान उत्पन्न किया....

श्री ब्रह्मानन्द पण्डा : मैं ने यह नहीं कहा । आपने कहा गोली चली तो मैंने कहा है कि— There was firing in the air, because the mob was unruly.

SHRI NIREN GHOSH: How do you know?

SHRI BRAHMANANDA PANDA: I know.

श्री रबी राय : गोली चली है, लोग अस्पताल में भरती हुए हैं, उनको मालूम हैं ।

श्री ब्रह्मानन्द पण्डा : तुमको मालूम नहीं है ।

श्री रबी राय : "आपको" कहिए । "तुमको" नहीं कहते है, अनपार्लियामेंटरी है ।

SHRI BRAHMANADA PANDA: I do not know Hindi perfectly. I know Oriya. If you want, I can tell you Sir, Oriya.

SHRI NIREN GHOSH: Something happened in Orissa also. According to the "Patriot" there was tear gas in Orissa.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं उड़ीसा का नाम ही नहीं लेता हूं। मैं केरल के उन सदस्यों को जिन्होंने आपके सामने धरना देकर केरल की उस महत्वपूर्ण समस्या की ओर और उसके समाधान के लिए आप से व्यवस्था ली है, उनको धन्यवाद देता हूं। इसके साथ ही साथ जो राजस्थान की भयंकर समस्या है उसकी ओर आपका तथा सदन का ध्यान श्री शेखावत जी आकृष्ट करेंगे। लेकिन मैं दो, तीन राज्यों की ओर विशेष रूप से आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं, जिसमें गुजरात की स्थिति है, उत्तर प्रदेश की स्थिति है और बिहार की स्थिति भी आ जाती है।

जहां तक गुजरात का सम्बन्ध है, अभी कुछ दिन पहिले इसी सदन में माननीय सदस्या श्रीमती कुलकर्णी जी ने गुजरात की समस्या की ओर इस सदन का ध्यान आकर्षित किया था और श्री शिन्दे जी ने श्रीमती कुलकर्णी जी के अनुरोध को स्वीकार करते हुए इस बात को स्वीकार किया था कि गुजरात की स्थिति सूखे के लिहाज से इस समय देश में सब से भयंकर है और उन्होंने इस भयंकरता को स्वयं स्वीकार किया। लेकिन सभापति जी अब धीरे धीरे जो मानसून फेल होता जा रहा है, वर्षा राज्यों मे नही हो रही है, उसका परिणाम यह है कि देश के प्रायः प्रत्येक प्रांत में स्थिति इस प्रकार की होती जा रही है कि वह गुजरात के पदचिन्हों पर चलने की तैयारी कर रहा है।

मैं बिहार और उत्तर प्रदेश की ओर आता हूं। उत्तर प्रदेश की सरकार ने कल या परसों एक वक्तव्य दिया था। अभी तक उत्तर प्रदेश की यह स्थिति रही कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में बलिया, गोरखपुर, बस्ती और देवरिया, इन कई जिलों में बाढ़ के आ जाने से कई इलाके ऐसे हैं, बहुत से गांव ऐसे हैं, जो बाढ़ से प्रभावित हैं। लेकिन अब बाढ़ की चपेट से छूटे तो सूखे की चपेट में आ गये हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार का यह कहना है कि 54 जिलों में से 40 जिले इस प्रकार के हैं जो आज सूखे की लपेट में आ चुके हैं। अभी तक तो उत्तर प्रदेश की यह स्थिति रही है कि उत्तर प्रदेश का जो पश्चिमी भाग है, वह कम से कम दैवी विपदायों से सुरक्षित रहता था, लेकिन अब रुहेलखंड कमिश्नरी और मेरठ कमिश्नरी, जो उत्तर प्रदेश का प्रमुख पश्चिमी भाग है, इस बार ये हिस्सा भी सूखे की चपेट में आ चुका है। धान की फसल करीब-करीब समाप्त हो चुकी है और गन्ने की फसल समाप्त होने की तैयारी कर रही है। लेकिन इससे भयंकर स्थिति यह है कि जो पशुओं का चारा था, जिन पशुओ के कन्धों पर खेती निर्भर रहती थी, उन पशुओ का चारा भी धीरे धीरे समाप्त हो रहा है और वे पशु मौत के मुंह में जाने की तैयारी कर रहे हैं।

यहां पर कृषि राज्य मंत्री उपस्थित है। मैं चाहूंगा कि बजाय इसके कि हम भी इसी प्रकार का धरना राज्य सभा के अन्दर दें, ऐसी स्थिति आप उत्तर प्रदेश के सदस्यों के लिए मत आने दीजिए और उससे पहिले आप कुछ बतलायें कि उत्तर प्रदेश में सूखे की स्थिति क्या है और उसके सम्बन्ध में आप क्या व्यवस्था करने जा रहे हैं? अभी तक उत्तर प्रदेश के 40 जिले सूखे की चपेट में आ चुके हैं और उनके सामने एक भयंकर स्थिति उत्पन्न हो चुकी है। गेहूं के भाव पहिले ही खराब थे और तीन चौथाई फसल जो वर्षा ऋतु के साथ होती थी, वह भी सूखे के कारण समाप्त होने जा रही है। तो मैं उत्तर प्रदेश के सम्बन्ध में विशेष

रूप से उल्लेख कर रहा हूं, लेकिन सारे देश की स्थिति के सम्बन्ध में भी कहना चाहता हूं कि इस अधिवेशन की समाप्ति के पहिले, जैसे आपने केरल के सम्बन्ध में निर्देश दिया है कि सायंकाल तक केरल के सम्बन्ध में वक्तव्य दे, तो उसी तरह से आप यह भी निर्देश दीजिये कि इस सत्र की समाप्ति के पहिले पूरे देश की सूखे की स्थिति के सम्बन्ध मे वक्तव्य दे जिसमें देश के सभी राज्य आ जाते हैं। अन्यथा वही स्थिति जो बिहार के कथं ब्लाक में हुई है, कटक के अन्दर हुई है, पैदा हो सकती है। तो इस प्रकार गोली चलने की स्थिति न आ जाय सारे देश में, दुकानें न लूटी जाने लगें और फूडग्रेन्स के गोदाम न लूटे जाने लगें। अगर इस प्रकार की स्थिति आ गई तो सारे देश मे विप्लव हो जायेगा। इसलिये मैं चाहता हूं कि खाद्य मंत्री जी इस तरह की स्थिति आने से पहिले स्पष्टीकरण दें।

MR. CHAIRMAN: Shri Bhupesh Gupta.

श्री भैरों सिंह शेखावत: श्रीमन्, मैंने आपसे अनुमति मांग ली थी। राजस्थान और मध्य प्रदेश में जिस प्रकार की स्थिति आज पैदा हो गई है, उसके सम्बन्ध में मैं निवेदन करना चाहता हूं ?

MR. CHAIRMAN: This is not the procedure. The whole thing has been discussed.

श्री भैरों सिंह शेखावत : श्रीमन्, मैंने सुबह ही आप से जाकर अनुमति ले ली थी। दो राज्यों में जिस प्रकार की स्थिति पैदा हो गई है, उसकी ओर सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN: I will not allow.

श्री लाल आडवाणी : सभापति जी, कुछ इश्यू ऐसे होते है जो इमोशन पर आ जाते हैं और वहा पर इंडलजैन्स की जरूरत होती है। अगर सदस्य अलग-अलग स्थितियों के सम्बन्ध में वर्णन करें और उनके सम्बन्ध में कोई एक्सट्रीम स्टेप लिया जायेगा तो उससे कुछ नही होगा।

MR. CHAIRMAN: I will not allow.

SHRI LAL K. ADVANI: He will not make a long speech.

MR. CHAIRMAN: If I allow once, then I have to allow every time. It will be a bad procedure for you. It may be convenient for you now. But it will not be convenient for others.

SHRI LAL K. ADVANI: I do not suggest anything. But you can always in our discretion permit any Member.

MR. CHAIRMAN: I can. But in such matters it is better to stick to some procedure or principle.

SHRI LAL K. ADVANI: He will take only two minutes.

MR. CHAIRMAN: I do not allow. I do not want to create a bad precedent. Shri Bhupesh Gupta.

श्री भैरों सिंह शेखावत : अध्यक्ष महोदय, दूसरे राज्यों में भी अकाल पड़ रहा है, लोग भूखे मर रहे है, दंगे हो रहे है, अकाल की स्थिति पैदा हो रही है। मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN: I have not allowed you. You do not insist. I have called another Member.

श्री भैरों सिंह शेखावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आप से रिक्वेस्ट कर रहा हूं उन भूखे लोगों के बिहाफ पर।

श्री लाल आडवाणी : ये दो मिनट में खत्म कर देंगे।

MR. CHAIRMAN: It is not a question of 2 minutes or 4 minutes. It is a question of procedure to be followed. If once I allow, I cannot say 'No' at

[Mr. Chairman]
another time to any other Member. Kindly excuse me. You can express it on some other occasion.

श्री भैरों सिंह शेखावत : वह आकेशन मिलने वाला नहीं है । दो दिन के अन्दर हाउस एडजर्न हो जायगा । अध्यक्ष महोदय, इतनी देर में तो मैं समाप्त कर देता ।

श्री राजनारायण : खाद्य की समस्या पर तो लोगों को थोड़ा समय दें ।

MR. CHAIRMAN: Not two at a time.

श्री भैरों सिंह शेखावत : केरल के माननीय सदस्य बैठे है । उन्होंने अपना रोष प्रगट कर दिया । मैं उनसे सहानुभूति प्रगट करता हूं, लेकिन जब मैं आपका ध्यान राजस्थान और मध्य प्रदेश के अकालपीड़ित क्षेत्रों की तरफ खींचना चाहता हूं तो मैं समझता हूं कि न आपको आपत्ति होनी चाहिए और न सदन को आपत्ति होनी चाहिए । यह स्थिति हमने पैदा नहीं की है । जिसके लिए मैं बार-बार खड़ा हो रहा हूं । मैं निवेदन करना चाहता हूं कि राजस्थान के 27 जिलों में से 22 जिलों में अकाल की भंयकर समस्या है । 68–69 के अकाल मे वहां 45 हजार आदमी मरे थे और दो लाख के करीब पशु मरे थे । आज इसी प्रकार की क्रिटिकल स्थिति राजस्थान मे पैदा हो रही है । राजस्थान सरकार ने साफ कह दिया है कि हमने जो बजट में प्रावधान रखा है उससे इस अकाल की समस्या का समाधान नहीं कर सकते और फाइनेंस कमीशन ने जिस प्रकार की रोक लगाई है यदि उस प्रकार की रोक लगी रही तो राजस्थान में भी इसी प्रकार के दंगे शुरू होंगे । मध्य प्रदेश के 6 जिलों में अकाल की भंयकर स्थिति हो रही है। अगर वहां तुरन्त अनाज नहीं पहुंचाया गया तो आप भले ही पुलिस द्वारा गोलियां चलवाएं, सब कुछ करें, लोग भूखे मरते हुए कोई न कोई इस प्रकार का विप्लव करेंगे जिससे शांति और व्यवस्था भंग होगी । इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से और मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि वे केरल बिहार और यू० पी० के साथ-साथ राजस्थान और मध्य प्रदेश की स्थिति के सम्बन्ध में सरकार किस प्रकार का उपचार करने वाली है उसका भी अपने भाषण में उल्लेख करें । सभापति महोदय, अच्छा हो यदि कुछ समय इस प्रश्न के लिए निर्धारित भी कर दिया जाय ताकि सब राज्यों के सदस्य अपने-अपने विचार उस पर प्रकट कर सकें ।

श्री रबी राय : पौइन्ट आफ आर्डर मेरा पोइन्ट आफ आर्डर यह है कि मैं और महापात्र साहब उड़ीसा के सम्बन्ध मे पहले भी आपसे मिले और उड़ीसा में जो स्थिति है, सूखा है, लोग भूखे मर रहे हैं वह सब यहां कहने का अवसर देने के लिए आपसे अनुरोध किया । आप हमको और महापात्र साहब को इजाजत दीजिए । खाद्य की स्थिति के सम्बन्ध में हमे भी अपने प्रान्त की स्थिति के बारे में कहने दीजिए ।

MR. CHAIRMAN: Tomorrow you can get a chance, not now. Yes, Shri Bhupesh Gupta.

REFERENCE TO LATEST DEVELOPMENTS IN DIEGO GARCIA

SHRI BHUPESH GUPTA: I invite your attention and the attention of the House and that of the Foreign Minister who is present here, to the latest developments in Diego Garcia. After the installation of the new President of the United States of American, Mr. Gerald Ford certain steps have been taken which are no doubt very disturbing. The Congress has not only sanctioned the funds asked for to equip this island as a nuclear naval base but the President has also issued certain public statements in which it is clearly mentioned that he wants to go ahead with the plan of equipping this island and according to information which has been given by the Americans themselves, it seems that they are extend-